

समवेग पुं. (तत्.) कृष्ण के रथ का घोड़ा।

समवेत वि. (तत्.) 1. एक में मिला हुआ, एकत्र, इकट्ठा किया हुआ 2. जमा किया हुआ, संचित 3. अटूट संबंध वाला 4. किसी के साथ एक श्रेणी या वर्ग में आया हुआ।

समवेतन पुं. (तत्.) 1. समवेत होने की क्रिया, अवस्था या भाव 2. अनुयायियों, सैनिकों, बालचरों आदि का एक स्थान पर एकत्रित होना। rally

समवेष पुं. (तत्.) 1. एक जैसी पोशाक 2. समान वेष 3. गणवेष।

समव्यूह पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में, ऐसी सेना जिसमें 225 सवार, 675 सिपाही तथा इतने ही घोड़े और रथ होते थे।

समशंकु पुं. (तत्.) ठीक मध्याह्न का समय।

समशीतोष्ण कटिबंध पुं. (तत्.) भूमध्य रेखा और उष्णकटिबंध के मध्य में पड़ने वाले प्रदेश।

समशील वि. (तत्.) 1. समदर्शी 2. परस्पर समान स्वभाव वाले।

समष्टिवादी वि. (तत्.) समष्टिवाद संबंधी पुं. समष्टिवाद का समर्थक या अनुयायी।

समसंधि स्त्री. (तत्.) दो राष्ट्रों के बीच एक ऐसी राजनैतिक संधि जिसमें संधि करने वाले राजा विपत्ति काल में अपनी पूरी शक्ति के साथ एक दूसरे की सहायता करने को तैयार हों।

समसर वि. (तत्.) बराबर, तुल्य, समान।

समसामयिक वि. (तत्.) समकालीन, एक ही समय अथवा युग में होने वाला।

समस्त वि. (तत्.) 1. संपूर्ण, सब, समग्र 2. संयुक्त, एक में मिलाया हुआ, जोड़ा हुआ 3. व्याकरण में समस्त शब्द, जो समास नियमों के अनुसार दो या अधिक शब्दों के मिलकर एक होने से बना हो।

समस्तिका स्त्री. (तत्.) कथन, लेख आदि का संक्षिप्त रूप या सारांश।

समस्थल पुं. (तत्.) समतल भूमि, मैदान।

समस्थली स्त्री. (तत्.) गंगा और यमुना के बीच का मैदान अर्थात् गंगा-यमुना का दोआबा।

समस्थानिक पुं. (तत्.) किसी तत्व के दो या अधिक रूपों में से प्रत्येक वह रूप जिसकी परमाणु-संख्या और रासायनिक गुण समान हो, परंतु परमाणु भार भिन्न-भिन्न होता है।

समस्य वि. (तत्.) 1. संयुक्त करने योग्य 2. समास का रूप देने योग्य 3. पूर्ण करने योग्य।

समस्यमान वि. (तत्.) ऐसा शब्द जो किसी अन्य शब्द के साथ मिलकर समस्त/समासयुक्त शब्द बना रहा हो।

समस्या स्त्री. (तत्.) 1. उलझन वाली बात जिसका निराकरण सहज न हो 2. कविता-प्रतियोगिता या कवि-परीक्षा के उद्देश्य से कविता या पद्य बनाने के लिए दिया जाने वाला छंद का अंतिम चरण या अंतिम हिस्सा।

समस्याग्रस्त वि. (तत्.) जो समस्या में उलझा हुआ हो, समस्या-पीडित।

समस्याग्रस्त व्यक्तित्व पुं. (तत्.) वह व्यक्ति जिसका व्यवहार समाज के लिए कष्टप्रद हो।

समस्यापूर्ति स्त्री. (तत्.) साहित्य के क्षेत्र में, दी गई समस्या के आधार पर कविता या पद्य की रचना।

समस्या बालक पुं. (तत्.) 1. ऐसा बालक जिसे अनुशासन में रखना कठिन हो 2. ऐसा बालक जिसका सुधार सामान्य शैक्षणिक ढंग से करना संभव न हो।

समस्वन पुं. (तत्.) ऐसे शब्द जिनकी वर्तनी भिन्न भिन्न होते हुए भी उच्चारण समान हो।

समस्वरूप वि. (तत्.) समान रूप वाला।

समांग वि. (तत्.) जिसके सब अंग या तत्व एक ही प्रकार के हों homogenius

समांश पुं. (तत्.) बराबर का हिस्सा, समान भाग वि. बराबर, एकसार।